भाकृअनुप
ICAR

नारी

पोषण-संवेदी कृषि संसाधन एवं नवोन्मेषण

नारी

पोषण-संवेदी कृषि संसाधन एवं नवोन्मेषण

भारत में कृषि क्षेत्र ने खाद्य सुरक्षा एवं आर्थिक विकास में बहुमुखी योगदान दिया है, परंतु पोषण सुरक्षा के ऊपर भी बल दिया जाना आवश्यक है। देश में स्थानीय फलों, सब्जियों एवं पोषणयुक्त खाद्यान फसलों की बहुतायत उपलब्धता है जिसमें विटामिन एवं खनिज पदार्थों की उपलब्धता प्रचुर मात्र में है। इन फसलों को परिवार के गृहवाटिका में महिलाओं की देख–रेख में उगा कर वृद्ध, युवा एवं बच्चों को आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य पूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा सकता है। फसलों, पशुधन, मछली और दूध की बढ़ी हुई पैदावार तथा खाद्य उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि ने देश को खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने में सक्षम बनाया है। परंतु, कुपोषित एवं कम वजन वाले बच्चों की अधिक संख्या तथा उनके पोषण संबंधी मुद्दों को हल करने हेतु तेजी से कदम बढ़ाना जरूरी है। खाद्य सुरक्षा के साथ–साथ पोषण सुरक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए "पोषण अंतर" को कम करना आवश्यक है। एक स्वस्थ देश के लिए सभी क्षेत्रों में पोषण सुरक्षा की प्राथमिकता होनी चाहिए जो स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में एक प्रमुख कारक है। इसके लिए कृषि को पोषण से जोड़ने की अवधारणा पर कार्य करने की आवश्यकता है। साथ ही पोषण अंतर को कम करने हेतु स्वस्थ आहार के लिए आवश्यक खाद्य पदार्थों की उपलब्धता बढ़ानी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि उन खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़े। समस्त परिवार के पोषण का घर की महिलाओं द्वारा ध्यान रखा जाता है जिसमें विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों के संयोजन से लेकर किचन गार्डेन में विभिन्न प्रकार के पोषणयुक्त फलों तथा सब्जियों का उगाना भी शामिल है।

ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण सुरक्षा की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुये भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा "नारी" (पोषण–संवेदी कृषि संसाधन एवं नवोन्मेषण) नामक कार्यक्रम की शुरुआत की जा रही है। यह कार्यक्रम महिला केन्द्रित है तथा महिलाओं द्वारा महिलाओं के लिए संचालित किया जाना है। कार्यक्रम के संचालन में कृषि विज्ञान केन्द्रों में नियुक्त विषय वस्तु विशेषज्ञों (गृह विज्ञान) को प्रमुख भूमिका निभाना है और महिला समूहों के माध्यम से इसको संचालित करना है।

उद्देश्य

- कृषि को पोषण से जोड़ना ताकि पोषण संवेदनशील कृषि को बढ़ावा मिले
- कृषि महिलाओं और ग्रामीण युवाओं में पोषण संवेदनशील कृषि के बारे में जागरूकता पैदा करना
- पोषण बागवानी पर जागरूकता पैदा करना।

मुख्य गतिविधियां

- महिलाओं और युवकों को पोषण युक्त फसल उत्पादन के प्रति जागरूक करना
- स्थानीय रूप से उपलब्ध खाद्य पदार्थों का फोर्टिफिकेशन
- पोषण युक्त फसलों व प्रजातियों पर प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण
- प्रदर्शन के माध्यम से पोषण – संवेदनशील कृषि को बढ़ावा देना
- प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता विकास।

लक्ष्यः वर्ष 2019–20 तक 100 कृषि विज्ञान केन्द्रों में कार्यक्रम का कार्यान्वयन

नारी कार्यक्रम के अंतर्गत तकनीकी गतिविधियों का लक्ष्य निर्धारण चयनित जिलों में बेंचमार्क सर्वेक्षण के आधार पर किया जाएगा। प्रस्तावित लक्ष्यों में निम्नलिखित का समावेश होगा:

- बेहतर खाद्य एवं पोषण सुरक्षा हेतु पारिवारिक खेती करने हेतु कृषि महिलाओं के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों का आयोजन
- ग्रामीण स्कूलों को सम्मिलित करते हुये महिलाओं और युवाओं में स्थानीय रूप से उपलब्ध खाद्य पदार्थों के फोर्टिफिकेशन, पोषण कैलेंडर, पोषक थाली, आदि के प्रति रूचि और जागरूकता पैदा करने के लिए आवश्यकतानुसार कार्यक्रम का आयोजन
- पर्याप्त लघु और सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर स्वस्थ आहार की उपलब्धता बढ़ाने के लिए "न्यूट्री–गार्डेन" की स्थापना
- बच्चों एवं महिलाओं के विकास से जुड़े लोगों के लिए जागरूकता एवं क्षमता विकास कार्यक्रमों का आयोजन।

इस कार्यक्रम से खाद्य प्रसंस्करण श्रृंखला विकसित करने एवं जागरूकता फैलाने में सहायता मिलेगी। ग्रामीण महिलाओं के ज्ञान एवं कार्य करने के तरीके का आपस में आदान प्रदान होगा जिससे पोषण संवेदी कृषि को बढ़ावा देने में बल मिलेगा।

जानकारी व संपर्क
उप महानिदेशक (कृषि प्रसार)
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
कृषि अनुसंधान भवन– I, पूसा, नई दिल्ली–110 012
फोन: 011–25843277 ई–मेल: aksicar@gmail.com